हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 03 : जौनपुर, बुधवार 27 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

अगले चार माह में हजारों युवाओं को मिलेगी सरकारी नौकरी

एजेन्सी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की निगाह दफ्तरों में खाली पड़े पदों और सरकारी कामकाज की गति पर गई तो खाली पदों की हकीकत सामने आने लगी। मुख्यमंत्री ने चाहा तो बेरोजगारों के लिए सरकारी महकमों के दरवाजे खुद ब खुद खुलते नजर आने लगे हैं। अगले चार महीनों में सरकारी नौकरियों की उम्मीद लगाए बैठे शिक्षित बेरोजगारो के लिए अवसर मिलने की राह दिखाई देने लगी है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने नियुक्ति देने की प्रक्रिया और तेज कर दी है। आयोग ने चार माह में 10385 पदों पर अंतिम चयन करते हुए नियुक्ति देने का कार्यक्रम तैयार करते हुए शासन के कार्मिक विभाग को इसे भेज दिया है। इसमें सबसे मत्वपूर्ण राजस्व लेखपाल के 8085 पदों पर नियुक्ति दिसंबर में दी जाएगी।राज्य सरकार ने सरकारी विभागों में पारदर्शी तरीके से भर्ती करने का आदेश आयोगों को दे रखा है।

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को समूह श्गश के पदों पर भर्ती का अधिकार दिया गया है। आयोग ने कार्मिक विभाग को कार्यक्रम भेजा है। इसमें बताया गया है कि जिन पदों के लिए परीक्षा परिणाम जारी करते हुए प्रमाण पत्रों का मिलान किया जा चुका है, उनमें से अधिकतर पदों पर भर्ती प्रक्रिया इसी साल पूरी कर ली जाएगी।अधीनस्थ सेवा चयन आयोग इन पदों पर अंतिम चयन करते हुए संबंधित विभागों को इसकी सूची भेजेगा। विभागों द्वारा इसके आधार पर नियुक्ति और ज्वाइंनिंग की प्रक्रिया शुरू कराई जाएगी। नियुक्ति पत्र बांटने के लिए कार्मिक विभाग द्वारा कार्यक्रम भी आयोजित किया जा सकता है, जिसमें चयनितों को नियुक्ति पत्र बांटा जाएगा।

माध्यमिक शिक्षा विभाग में समूह क के 96, समूह ख के 3172, समूह ग के 41136 और समूह घ के 22230 पद रिक्त हैं।बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक के 51112, खंड शिक्षा अधिकारी के 34, कनिष्ठ सहायक के 875 औरपरिचारक के 3919 पद रिक्त हैं।अधीनस्थ सेवा चयन आयोग में विभिन्न विभागों के छह हजार पद भरने के लिए अधियाचन आए हैं, जिन्हें भरने से संबंधित प्रक्रिया चल रही है।वन विभाग में कुल 4130 पद खाली हैं। 1300 पदों पर आयोग ने चयन की प्रक्रिया पूरी कर ली है, जबकि 700 का विज्ञापन निकाला जा चुका है। विभाग ने सभी पदों का अधियाचन आयोग को भेज दिया है।समाज कल्याण विभाग में जिला समाज कल्याण अधिकारी के 12 पद खाली हैं, जिनका अधियाचन यूपीपीएससी को भेजा जा चुका है।रजिस्ट्रार फर्म्स सोसायटी एवं चिट्स कार्यालय में 83 पद रिक्त हैं। डॉक्टरों के करीब 6000 पद खाली हैं। आयोग के कार्यक्रम के मुताबिक सितंबर में मंडी परिषद में रोड रोलर चालक व नक्शानवीश के 16 पदों पर नियुक्ति दी जाएगी। अक्तूबर में सहायक सांख्यिकी एवं सहायक शोध अधिकारी के 896 पदोंपर नियुक्ति दी जाएगी। नवंबर मेंसम्मिलित अवर अभियंता, संगणक एवं फोरमैन के 1388 पदों पर नियुक्ति होनी है।दिसंबर में राजस्व लेखपाल के 8085 पदों पर अंतिम चयन करते हुए नियुक्ति दी जाएगी।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के हाथो अन्नपूर्णा प्रसादम सेवा रसोई का शुभारंभ

एजेन्सी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में समाज सेवा कार्यों में अग्रणी संस्था भारतीय जनकल्याण महासमिति की ओर से अन्नपूर्णा प्रसादम सेवा रसोई शुरू किया गया है। यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक एवं उनकी धर्मपत्नी नम्रता पाठक ने मंगलवार को इस सेवा रसोई का शुभारंभ किया। शुभारंभ करने के बाद डिप्टी सीएम एवं उनकी धर्मपत्नी ने प्रसाद वितरण किया। भारतीय जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष पियूष दुबे ने बताया की संस्था के हमारी यात्रा मिशन के तहत अन्नपूर्णा प्रसादम सेवा रसोई की शुरुआत की गई है। इस सेवा के तहत अनाथ बच्चों,वंचित जनों,जरूरतमंद एवम बुजुर्गो के लिए निशुल्क भोजन एवं फल वितरण किया जाएगा। विभिन्न स्थानों सहित यह सेवा रसोई अस्पतालों में भर्ती मरीजों के लिए पौष्टिक भोजन एवं फल वितरण करेगी।

अन्नपूर्णा प्रसादम का शुभारंभ करने के बाद डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा की संस्था का यह प्रयास समाज में सकारात्मक सोच को जन्म देगा। और इस सोच से तमाम लोग प्रेरणा लेकर ऐसे ही जरूरतमंदों की मदद करने के आयोजन करते रहेंगे। आपको बता दें की भारतीय जनकल्याण समिति कई सेवा कार्यों को समय समय पर करती रहती है। संस्था के कार्यों में हरित यात्रा के तहत पर्यावरण संरक्षण व्रक्षारोपण के कार्यक्रम,स्वास्थ्य शिविरो का आयोजन,निर्धन कन्याओं के विवाह में सहयोग,महिलाओं एवम बालिकाओं के लिए रोजगारपरक एवम कलात्मक प्रशिक्षण इत्यादि प्रमुख हैं। इस मौके पर शिवेंद्र दुबे,मधुरेश मिश्र,अनीता वर्मा,अंजली पांडे,राहुल सिंह,विवेक सिंह,शिवम पांडे एवं बृजेंद्र बहादुर मौर्य सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

केंद्र ने पिछले नौ साल में मिशन मोड में योजनाएं लागू की हैं : मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि पिछले नौ साल में सरकार ने योजनाओं को मिशन मोड में लागू किया है, जिससे और भी बड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए श्रोजगार मेलाश के दौरान नई नियुक्ति पाने वालों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ष्हमारी नीतियां एक नई मानसिकता, सामग्री निगरानी, मिशन मोड कार्यान्वयन और जन भागीदारी पर आधारित हैं। नौ साल में सरकार ने मिशन मोड में नीतियों को लागू किया है। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में नई भर्तियों में चयनित 51 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। प्रधानमंत्री ने कहा, देश ने 2047 तक विकसित भारत बनने का संकल्प लिया है। अगले कुछ वर्षों में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। इस अवधि में, प्रत्येक सरकारी कर्मचारी एक बड़ी भूमिका निभाने जा रहा है। आपको हमेशा नागरिक–प्रथम की भावना के साथ काम करने की आवश्यकता है। आप उस पीढ़ी का हिस्सा हैं जो प्रौद्योगिकी के साथ बड़ी हुई है। आपको अपने कार्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड के रूप में तकनीकी परिवर्तन के माध्यम से शासन को आसान बना दिया गया है। डिजिटल लॉकर और ई–केवाईसी ने दस्तावेजीकरण की जटिलता को समाप्त कर दिया है। मोदी ने कहा, आज हमारा देश ऐतिहासिक उपलब्धियों और फैसलों का गवाह बन रहा है। कुछ दिन पहले ही देश की आधी आबादी को नारी शक्ति वंदन कानून के रूप में बहुत बड़ी ताकत मिली है। महिला आरक्षण बिल, जो पिछले 30 वर्षों से लंबित था, अब दोनों सदनों द्वारा रिकॉर्ड मतों से पारित किया गया।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र की जटिलताएं दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी, हिंद-प्रशांत सेना प्रमुख सम्मेलन में बोले रक्षा मंत्री

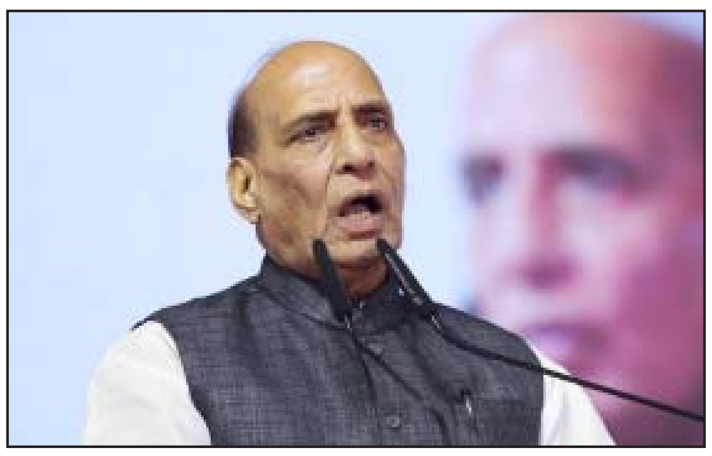

एजेन्सी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र की जटिलताओं से निपटने और क्षेत्र में समृद्धि, सुरक्षा तथा समावेशी भविष्य सुनिश्चित करने के लिए मंगलवार को ''सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। 13वें हिंद–प्रशांत सेना प्रमुख सम्मेलन (आईपीएससी) में सिंह ने कहा कि राष्ट्रों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक मुद्दों में कई हितधारक शामिल हैं और कोई भी देश अकेले इन चुनौतियों का समाधान नहीं कर सकता। उनकी यह टिप्पणी हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक सैन्य व्यवहार पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच आई है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद–प्रशांत क्षेत्र में शांति और समृद्धि 'वसुधैव कुटुंबकम (दुनिया एक परिवार है) के प्राचीन भारतीय लोकाचार के अनुरूप हासिल की जा सकती है। भारतीय सेना द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि हिंद–प्रशांत अब एक नौवहन रचना ही नहीं है, बल्कि एक पूर्ण भू–रणनीतिक रचना है, और यह क्षेत्र सीमा विवादों और समुद्री दस्यु सहित विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। रक्षा मंत्री ने अमेरिकी लेखक स्टीफेन आर कोवी के एक सैद्धांतिक मॉडल के माध्यम से क्षेत्र के लिए अपने दृष्टिकोण को समझाया, जो 'सर्कल ऑफ कन्सर्नश और 'सर्कल ऑफ इन्फ्लुएंस पर आधारित है।उन्होंने कहा, ''ऐसे उदाहरण हो सकते हैं जब विभिन्न देशों के 'चिंता के चक्र यानी 'सर्कल ऑफ कन्सर्न एक–दूसरे पर हावी होते हैं। किसी भी देश के विशेष आर्थिक क्षेत्रों से परे, समुद्र से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार मार्ग प्रासंगिक उदाहरण हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, ''इसके फलस्वरूप या तो राष्ट्रों के बीच संघर्ष हो सकता है या वे पारस्परिक रूप से जुड़ाव के नियमों को तय करके सह–अस्तित्व का फैसला कर सकते हैं। इस तरह की अवधारणा रणनीतिक सोच और प्राथमिकता के महत्व को रेखांकित करती है। सिंह ने कहा कि राष्ट्रों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक मुद्दों में कई हितधारक शामिल हैं और कोई भी देश अकेले इन चुनौतियों का समाधान नहीं कर सकता। उन्होंने 'सर्कल ऑफ कन्सर्न में आम चिंताओं के समाधान के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ बातचीत करने और कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय संगठनों तथा संधियों के माध्यम से सहयोगात्मक रूप से काम करने की आवश्यकता पर बल दिया। रक्षा मंत्री ने 'यूनाइटेड नेशन्स कन्वेन्शन ऑन द लॉ ऑफ द सी (यूएनसीएलओएस), 1982 को ऐसे अंतरराष्ट्रीय समझौते का एक अच्छा उदाहरण बताया जो नौवहन गतिविधियों के लिए कानूनी ढांचा स्थापित करता है और विभिन्न देशों के 'सर्कल ऑफ कन्सर्न के एक दूसरे पर हावी होने से उठने वाले मुद्दों का समाधान करता है। सिंह के अनुसार, साथ ही वैश्विक मंच पर राष्ट्रीय हितों को बढ़ावा देने के लिए अपने 'प्रभाव चक्र यानी 'सर्कल ऑफ इन्फ्लुएंस की पहचान करनी चाहिए और उसका विस्तार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसमें साझेदारी बनाना, क्षेत्रीय संगठनों में भाग लेना और रणनीतिक रूप से राजनयिक, आर्थिक या सैन्य उपायों का नियोजन आदि शामिल हो सकते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, ''यह सम्मेलन एक अभ्यास है जहां हम सभी अपने 'सर्कल ऑफ कन्सर्न के साथ सामंजस्य बिठाते हुए अपने 'सर्कल ऑफ इन्फ्लुएंस का विस्तार करने की कोशिश कर रहे हैं।

भाजपा ने मप्र में विरोध रोकने के लिए दिग्गजों को उतारा मैदान में

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के लिए आंतरिक और बाहर से होने वाला विरोध चुनौती बन गया है और अब पार्टी ने इसे रोकने के लिए विधानसभा चुनाव में दिग्गजों को मैदान में उतारकर बड़ा दांव खेला है। राज्य में इसी साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं जो भाजपा के लिए बहुत आसान नहीं है। यह पार्टी का राज्य से लेकर राष्ट्रीय नेतृत्व तक जानता है। लिहाजा इन स्थितियों में उसके लिए पार्टी के ही नेताओं का विरोध नई चुनौती बन रहा है। इस चुनौती को रोकने की रणनीति पर लगातार पार्टी काम कर रही है। भाजपा के 39 उम्मीदवारों की नई सूची को इसी विरोध को रोकने की कवायद का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा के उम्मीदवारों की दूसरी सूची में तीन केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, फग्गन सिंह कुलस्ते और प्रहलाद पटेल के अलावा चार सांसद रीती पाठक, उदय प्रताप सिंह, राकेश सिंह और गणेश सिंह को उम्मीदवार बनाया गया है। इन दिग्गजों को उतारने के पीछे स्थानीय स्तर पर होने वाले विरोध को थमने की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा ने इस सूची में ग्वालियर चंबल के दिग्गज नरेंद्र सिंह तोमर, मालवा निमाड़ के कैलाश विजयवगीर्य, आदिवासी नेता फग्गन सिंह कुलस्ते के अलावा महाकौशल इलाके में प्रभाव रखने वाले राकेश सिंह और प्रहलाद पटेल को मैदान में उतारा है।इस तरह माना जा रहा है कि भाजपा इन प्रभावशाली नेताओं के राजनीतिक प्रभाव का असर असंतोष को कम करने के साथ कांग्रेस की कब्जे वाली सीटों को छीनने के लिए मैदान में उतारा है।

लखीमपुर कांड के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को राहत, जमानत की शर्तों में एससी ने किया बदलाव

एजेन्सी

लखीमपुर/दिल्ली लखीमपुर कांड के मुख्य आरोपी केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है, दरअसल, कोर्ट ने आशीष मिश्रा की अंतरिम जमानत की शर्तों में बदलाव करते हुए दिल्ली में रहने की इजाजत दे दी है। हालांकि कोर्ट ने कुछ शर्ते भी लगाई है। वह विचाराधीन मामले के संबंध में किसी भी सार्वजनिक समारोह में भाग नहीं लेगा। साथ ही उन्हें मीडिया को संबोधित करने की इजाजत भी नहीं दी गई है। अदालत ने स्पष्ट किया कि यूपी में उनकी प्रवेश पर रोक भी जारी रहेगी। दरअसल, आशीष मिश्रा ने बीमार मां की देखभाल और बेटी का इलाज कराने के लिए दिल्ली आने सुप्रीम कोर्ट से याचिका दायर की थी।बता दें कि 14 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि लखीमपुर खीरी हिंसा मामले की सुनवाई की धीमी गति नहीं है। 25 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा को 8 हफ्ते की अंतरिम जमानत दी थी और जेल से रिहाई के एक हफ्ते के भीतर उत्तर प्रदेश छोड़ने का निर्देश दिया था। जनवरी में, शीर्ष अदालत ने मिश्रा को जमानत देते समय कई शर्तें लगाई थीं। उन्हें अपनी रिहाई के एक सप्ताह के भीतर यूपी छोड़ना होगाय वह यूपी या एनसीटी दिल्ली,एनसीआर में नहीं रह सकताय मिश्रा अदालत को अपने स्थान के बारे में सूचित करेंगेय और उनके परिवार के सदस्यों या स्वयं मिश्रा द्वारा गवाह को प्रभावित करने के किसी भी प्रयास से उनकी जमानत रद्द कर दी जाएगी। वह मुकदमे की कार्यवाही में भाग लेने के अलावा उत्तर प्रदेश में प्रवेश नहीं करेगाय और, अभियोजन पक्ष, एसआईटी, मुखबिर या अपराध के पीड़ितों के परिवार का कोई भी सदस्य अंतरिम जमानत की रियायत के दुरुपयोग की किसी भी घटना के बारे में इस अदालत को तुरंत सूचित करने के लिए स्वतंत्र होगा।

शिवराज ने टीम मध्य प्रदेश का आभार माना, जल्द लग सकती है आचार संहिता

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव की आहट बढ़ने के साथ ही इस बात की संभावना बनने लगी है कि जल्द ही आचार संहिता लग सकती है। इस संभावना को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने टीम मध्य प्रदेश के प्रति आभार जताकर और बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री चौहान ने मंगलवार को मंत्रालय में सभी मंत्रियों, सभी विभागों के प्रमुख सचिव, अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में उन्होंने कोविड जैसे संकट में भी पूरी लगन से काम करने पर टीम मध्य प्रदेश का आभार माना। उन्होंने करीब चार साल की उपलब्धियों पर मंत्रियों और अधिकारियों की मेहनत और तत्परता को लेकर धन्यवाद दिया और बधाई दी। इसके साथ ही मंत्रियों, सीएस एवं समस्त पीएस का विशेष रूप से आभार माना। चौहान ने लाडली बहना योजना सहित जन कल्याणकारी योजनाओं के सफलतम क्रियान्वयन को बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा मध्य प्रदेश के आगामी विजन और मिशन पर समर्पण के साथ काम करना है। मुख्यमंत्री ने सभी से कहा कि आचार संहिता में गरीब कल्याण और हितग्राही मूलक योजनाएं शिथिल न हों, अनवरत जारी रहे।

हेल्पडेस्क गिरने से हेडकांस्टेबल समेत चार घायल

एजेन्सी

वाराणसी। वाराणसी के चितईपुर थाने में हेल्प डेस्क की अस्थाई छत गिरने से हादसा हो गया। जिसमें थाने के दीवान सहित 4 लोग घायल हो गए। मंगलवार सुबह शांति देवी अपनी बेटी सरिता और नाती के साथ थाने में शिकायत करने आईं थीं। तभी अचानक सीमेंट की शीट गिर गई। जिसमें चारों लोग घायल हो गए। जिसके बाद सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

वाराणसी के सरकारी अस्पतालों में फैली अव्यवस्था

एजेन्सी

वाराणसी। वाराणसी जिले में डेंगू और वायरल फीवर से अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातर बढ़ रही है। इस मामले को लेकर आज समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सीएमओ डॉ संदीप चौधरी से मुलाकात कर अस्पताल में फैली अव्यवस्था एवं मरीजों को हो रही समस्याओं से अवगत कराते हुए जल्द समाधान करने की बात कही है। उन्हें सीएमओं को पत्र भी सौंपा। समाजवादी पार्टी के विष्णु शर्मा ने कहा कि विश्व की सांस्कृतिक राजधानी काशी में महामारी विकराल रूप ले ली है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में बीमार मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है। लेकिन अस्पताल में कोई उत्तम व्यवस्था नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि वाराणसी के मंडलीय अस्पतालों में बेड नहीं है। अस्पताल में जो सरकारी व्यवस्था होती है, वह आम जनता को नहीं मिल पा रही है। इन्हीं सब मांगों को लेकर सीएमओ कार्यालय पहुंचे। कबीर चौरा अस्पताल में डेंगू मलेरिया के जांच का समय 2 बजे से बढ़कर रात 8 बजे तक किया जाए। सरकारी अस्पताल में 2 बजे के बाद सीटी स्कैन और एक्स–रे की सुविधा शुरू किया जाए। सरकारी अस्पताल में डेंगू और मलेरिया के मरीजों के लिए बेड की संख्या को बढ़ाया जाए। समाजवाद पार्टी के प्रदेश सचिव राजू यादव ने कहा कि वाराणसी में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर जितने भी सरकारी दावे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया, कहा, स्टेशनों पर लोग मेरा नहीं, वंदे भारत ट्रेन का कर रहे थे स्वागत

एजेन्सी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री वी. मुरलीधरन ने मंगलवार को कांग्रेस के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि केरल की दूसरे वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन समारोह उनके अपने राजनीतिक प्रचार अभियान में बदल गया था। उन्होंने कहा कि स्टेशनों पर लोग उनका नहीं बल्कि वंदे भारत ट्रेन का स्वागत कर रहे थे। केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री ने कांग्रेस सांसद के. मुरलीधरन के आरोपों के जवाब में ये बातें कहीं। कांग्रेस नेता ने सोमवार को आरोप लगाया था कि स्टेशन पर आए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का अभिवादन स्वीकार करने में केंद्रीय मंत्री को कोई परेशानी नहीं आए, इसके लिए तय समय से अधिक वक्त तक स्टेशनों पर ट्रेनों को रोक कर रखा गया था। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि ट्रेन का विशेष कोच भाजपा पार्टी कार्यालय में बदल दिया गया था क्योंकि पार्टी के कई समर्थकों को ट्रेन के अंदर प्रवेश के लिए सांसदों की तरह ही पास दिए गए थे। इन टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए वी. मुरलीधरन ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थक उनका नहीं बल्कि ट्रेन का स्वागत करने के लिए स्टेशनों पर जमा हुए थे क्योंकि यह कुछ ऐसा था जो उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। उन्होंने कहा, ''इसलिए ट्रेन सेलिब्रिटी थी। लोग मेरे नहीं बल्कि ट्रेन के साथ सेल्फी ले रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसी ने भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं या समर्थकों को ट्रेन का स्वागत करने को लेकर स्टेशन आने या ट्रेन में सवार होने के लिए पास लेने से नहीं रोका।

सम्पादकीय

मानसून की विदाई

यह हकीकत है कि तमाम वैज्ञानिक उन्नति व सिंचाई के साधन विकसित होने के बावजूद मानसून आज भी भारतीय उपमहाद्वीप में जीवनदायी बना हुआ है। सदियों से देश का किसान बेसब्री से मानसून की राह तकते हुए आकाश में काले बादलों की प्रतीक्षा करता रहता है। सच्चाई तो यही है कि खेती में बरकत मानसूनी बारिश से ही आती है। जहां एक ओर बिजली की बचत होती है वहीं किसान की कृषि लागत भी कम होती है। भारतीय मौसम विभाग ने बाकायदा सूचना जारी की है कि दक्षिण–पश्चिम मानसून अब लौट रहा है। राजस्थान के कुछ हिस्से से वह चला भी गया। यूं तो इसकी वापसी की सामान्य तारीख 17 सितंबर है, मगर इस बार यह आठ दिन देरी से वापस लौट रहा है। आम आदमी बारिश के मिजाज देखकर यही सोचता होगा कि इस बार जमकर बारिश हुई है, लेकिन बारिश का औसत बताता है कि इस बार सामान्य से कुछ कम बारिश हुई है। मौसम विभाग के अनुसार इस बार अब तक 780.3 मिमी बारिश हुई है। जबकि सामान्य बारिश 832.4 मिमी मानी जाती है। बहरहाल, काले मेघों की वापसी का सिलसिला शुरू हो गया है। हिमाचल, उत्तराखंड आदि पर्वतीय राज्यों में दक्षिण–पश्चिम मानसून इस बार जमकर बरसा है। खासकर हिमाचल में बारिश का रौद्र देखने को मिला और भूस्खलन व बाढ़ में जन–धन की व्यापक क्षति हुई। इस बार मानसून तेरहवीं बार अपने निर्धारित समय से देरी से वापस लौट रहा है। वैसे तो मानसून का देर तक सक्रिय रहना खेती के लिये लाभदायक ही होता है। खासकर उत्तर–पश्चिम भारत में मानसूनी बारिश का रबी की फसल पर सकारात्मक असर देखने को मिलता है। दरअसल, आमतौर पर दक्षिण–पश्चिम मानसून एक जून तक केरल में दस्तक दे देता है। फिर सामान्यतरू आठ जुलाई तक पूरे देश को भिगोने लगता है। वहीं 17 सितंबर के नजदीक उत्तर–पश्चिम भारत से पीछे हटना शुरू कर देता है। फिर मध्य अक्तूबर तक मानसून की लगभग पूरी विदाई हो जाती है।वैसे हम भारतीयों का सौभाग्य है कि हमें सर्दी, गर्मी व बरसात के मौसम का पर्याप्त सुख हासिल होता है। एक साल में ही देश में अलग–अलग मौसमों का अहसास किया जा सकता है। एक ओर जहां कुछ इलाकों से मानसून की विदाई हो रही है तो कुछ राज्यों में बारिश होने की बात कही जा रही है। वहीं देश में मानसून की विदाई के बीच कश्मीर में बर्फबारी होने की खबरें हैं। लद्दाख में भी बर्फबारी की खबरें हैं। हिमाचल के बारे में कहा जा रहा है कि वहां मानसून की विदाई हो चुकी है और अगले कुछ दिनों में खूब धूप खिलेगी। जाहिर है तापमान में वृद्धि होगी। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते बारिश के पैटर्न में भी बदलाव आया है। पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन व तबाही का मंजर बताता है कि बारिश का ज्यादा पानी कम समय में बरस जाता है। जिसके चलते बादल फटने और भूस्खलन की घटनाएं भी बढ़ी हैं। मौसम विभाग कह रहा है कि इस बार छह फीसदी पानी कम बरसा। लेकिन हिमाचल व उत्तराखंड में अतिवृष्टि वाले इलाके के लोग कैसे विश्वास करेंगे कि इस बार कम बारिश हुई है। दरअसल, बारिश आम नागरिकों से लेकर सत्ताधीशों को संदेश देने भी आती हैं। जहां बारिश स्थानीय प्रशासन की साफ–सफाई व नदी–नालों की देखरेख का इम्तिहान लेती है, वहीं निर्माण में हुए भ्रष्टाचार को भी उजागर करती है। आम नागरिकों लिये बारिश का संदेश होता है कि जल निकासी सुचारू बनाये रखना हर नागरिक की भी जिम्मेदारी है। हर नागरिक का दायित्व है कि भूमि के कटाव को रोकने के लिये पेड़ काटे नहीं बल्कि खूब लगाए जाएं। नीति–नियंताओं को यह सबक कि पहाड़ों पर फोर–लेन का फार्मूला नहीं चलेगा। पहाड़ का विकास पहाड़ के मिजाज के अनुसार होना चाहिए। हिमाचल में इस बरसात में बहुमंजिला इमारतों का जमींदोज होना बता गया कि हमें भवन निर्माण में अपने पुरखों के अनुभवों से सबक लेना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग के चलते बारिश का मिजाज बदल रहा है, नीति–नियंताओं व लोगों को भी इसके लिये तैयार रहना होगा।

रोजगार घटने के चिंताजनक आंकड़े

2018–19 से 2022–23 के दौरान देश में सभी तरह के रोजगार में बड़ी कमी होने के आंकड़े सामने आए हैं। नौकरियां हों या दैनिक वेतनभोगी मजदूर, बड़ी संख्या में उन्होंने आजीविका खोई है। अधिक चिंताजनक यह है कि इनमें महिलाएं अधिक हैं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकानॉमी की इस अवधि की रिपोर्ट के अनुसार 31 लाख लोगों ने नौकरियां खोई हैं जिनमें पुरुष 5 लाख तो महिलाएं 26 लाख हैं। ऐसे ही, छोटे कारोबार एवं दैनिक वेतन पर काम करने वालों में 1.35 करोड़ रोजगार घटे हैं। 52 लाख महिलाएं तथा 83 लाख पुरुष थे। ये आंकड़े ऐसे वक्त में सामने आ रहे हैं जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को खुशहाल देश बतला कर दावा कर रहे हैं कि जल्दी ही वह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा जिसकी अर्थव्यवस्था का आकार 5 ट्रिलियन होगा। यह तथ्य ऐसे भी वक्त सबके समक्ष आया है जब नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद में पारित होकर एक सप्ताह भी नहीं हुआ है। विकसित व आर्थिक रूप से सशक्त समाज बनाने में कामकाजी महिलाओं की बड़ी भूमिका होती है, लेकिन जिस प्रकार से इन आंकड़ों के मुताबिक औरतों के जीविकोपार्जन के साधन छीने गये हैं, वे भारतीय अर्थव्यवस्था का क्रूर चेहरा भी उजागर करते हैं। समाज के तौर

पर देश महिलाओं को लेकर पूर्वाग्रह से ग्रस्त तो पहले से ही है।

जिन लोगों ने नौकरियां खोई हैं, वे संगठित क्षेत्रों के थे और उनके वेतन बढ़िया थे। नौकरियां जाने से उनके जीवन पर क्या असर हुआ होगा, इसकी कल्पना की जा सकती है। असंगठित क्षेत्रों में रोजाना वेतन पर काम करने वाले मजदूरों, जिन्हें दिहाड़ी मजदूर भी कहा जाता है, उनकी संख्या 2018–19 में 14.05 करोड़ थी, जो 2022–23 में घटकर 12.7 करोड़ रह गई। सीएमआईई के अनुसार देश में कामकाजी लोगों की संख्या 40.58 करोड़ है जिनमें से पुरुष 36.77 करोड़ तथा महिलाएं 3.82 करोड़ हैं– केवल 10 प्रतिशत के आसपास। व्यवसाय हो या कृषि, वेतनभोगी हों या दिहाड़ी मजदूर, सभी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी काफी कम है। वैसे छोटे व्यवसाय एवं खेती–किसानी में महिलाओं के रोजगार कुछ बढ़े हैं परन्तु अभी भी सभी सेक्टरों में व्यापक बेरोजगारी का आलम है। खासकर, महिलाओं की स्थिति दयनीय है। यह तस्वीर मोदी सरकार के बेहद खराब प्रबन्धन का नतीजा है। 2016 में लाई गई नोटबन्दी और बाद में जीएसटी कानून ने अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। इसके दुष्परिणाम अब तक देश भुगत रहा है। नोटबन्दी ने रातों–रात लाखों कारोबार और छोटे–मोटे कामों को बन्द कर दिया। रही–सही कसर जीएसटी ने पूरी कर दी। कई छोटे व लघु आकार की इकाइयों ने भी दम तोड़ दिया था। अनेक कारोबार व उद्योग उस वक्त जो बन्द हुए, आज तक या तो खुल नहीं पाये अथवा उनमें से बड़ी संख्या में लोगों को काम से हटाया गया। इसके बाद कोविड–19 भी कहर बनकर लोगों पर टूटा है। बड़ी तादाद में व्यवसाय और निर्माण इकाइयों को भी लॉकडाउन में बन्द करना पड़ा था। उनमें से कई उद्योगों व कारोबार के ताले आज तक नहीं खुले। सीएमआईई की ही पूर्ववर्ती रिपोर्ट में बताया गया था कि इसी साल (2023) जनवरी (7.14 प्रश) से अप्रैल (8.11) के दौरान ये आंकड़े भी सामने आये थे कि भारत में बेरोजगारी की दर हर माह बढ़ती जा रही है। अभी मई में इसका प्रतिशत 7.68 था जो जून में बढ़कर 8.45 हो गया है। हालांकि भारत सरकार इन आंकड़ों को गलत बताती है क्योंकि उसके राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार देश में रोजगार की स्थिति सुधर रही है। वैसे लगभग सारे अर्थशास्त्री सीएमआईई के आंकड़ों को ही सही मानते हैं। आंकड़ों को एक ओर रख दिया जाये तो भी देश में बढ़ती बेरोजगारी नंगी आंखों से भी दिखती है। वैसे भी केन्द्र सरकार रोजगार बढ़ाने के मामले में कभी भी गम्भीर नहीं रही है। उसके सारे आश्वासन कहीं दूर भविष्य में फलीभूत होने की बात करते हैं। तत्काल प्रभाव से मिलने वाले रोजगार कम ही हैं। 2014 में जब यह सरकार केन्द्र की सत्ता में आई थी, उसने हर वर्ष दो करोड़ रोजगार देने की बात कही थी। उलटे, बेरोजगारी इतनी बढ़ी है कि अब केन्द्र सरकार ने उससे सम्बन्धित आंकड़े रखने ही बन्द कर दिये हैं। इसका ऐलान भी वह कर चुकी है। अब सरकार या आर्थिक नीति पर काम करने वालों के पास ऐसी कोई व्यवस्था ही नहीं रह गई है जिसके आधार पर वे रोजगार बढ़ाने सम्बन्धी योजना बना सकें। सरकार की रोजगार बढ़ाने में कोई रुचि ही नहीं रह गई है। जो थोड़ी बहुत शासकीय नौकरियां निकलती हैं उनके नियुक्ति पत्र मोदी समारोहों के जरिये बांटते हैं और उसका उपयोग अपनी छवि सुधारने या फिर चुनावी लाभ लेने में करते हैं। गम्भीर प्रयासों का अभाव स्पष्ट दिखलाई देता है। ऐसे में बेरोजगारी और बढ़े तो आश्चर्य नहीं। बेरोजगारों की बढ़ती संख्या का समाज पर क्या असर होगा, इसकी कल्पना की जा सकती है। जब देश के युवाओं के हाथों में रोजगार नहीं होंगे व जिनके पास काम हैं भी तो उन्हें जिस प्रकार से खत्म किया जा रहा है उससे एक निष्क्रिय समाज ही बनेगा जो गैर रचनात्मक होगा। वैसे भी जिस प्रकार से निजीकरण को बढ़ावा देकर लोगों की जीविका के सभी तरह के साधन छिने जा रहे हैं उसके दो कारण हैं। पहला तो यही कि कारोबार व उद्योग बंद होने से वे मोदी के मित्र उद्योगपतियों व व्यवसायियों के हाथों में चले जाएंगे। दूसरे, उन्हें सस्ता मानव संसाधन मिलेगा। महिलाओं की आय के साधन छीनना तो गरीबी को और तेजी से बढ़ायेगा।

स्वस्थ नागरिक मजबूत राष्ट्र का निर्माता

संजीव ठाकुर

मानव जीवन में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन होता हैस मनुष्य यदि स्वस्थ्य नहीं रहेगा तो वह न तो परिवार व समाज में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है और ना ही राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकता हैस तन के स्वस्थ रखने के साथ मानसिकता यानी मन को स्वस्थ रखना होगा अन्यथा उसका जीवन निराश एवं कुंठा ग्रस्त रह सकता हैस इसीलिए स्वास्थ्य को जीवन का अनमोल रत्न माना जाता है या यूं कहें कि स्वास्थ्य ही धन होता हैस इसीलिए भारत में 2019 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर फिट इंडिया अभियान की शुरुआत की गई, जिसके माध्यम से लोगों को खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाना है जिससे स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत और सशक्त भारत का निर्माण हो सकेस भारत को एक प्रगतिशील एवं मजबूत राष्ट्र बनाने की आवश्यकता हैस इसी संदर्भ में भारत सरकार द्वारा एक महत्वकांक्षी योजना बनाकर इसके माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना हैस इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में पूरे भारत में विस्तृत कर पूरे भारतीय जनमानस को स्वास्थ्य के प्रति स्वच्छता के प्रति लगाव पैदा कर पूर्व संपूर्ण भारत को स्वस्थ बनाने का धीरे लेकर आगे बढ़ना होगास फिट इंडिया मूवमेंट आगामी कई वर्षों तक संचालित रहेगा स्वास्थ्य को लेकर अलग–अलग विषयों पर अभियान चलाया जाएगा शुरुआत शारीरिक फिटनेस से,फिर भोजन की आदतें, तीसरे वर्ष पर्यावरण अनुकूलता और जीवन शैली पर प्रभाव,फिर रोगों तथा बीमारियों को दूर करने के तरीकों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा भारत सरकार की स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार 1990 से लेकर 1920 के बीच गैर संक्रामक बीमारियां बढ़ने की दर 55: हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कुपोषण के आंकड़े और भी ज्यादा गंभीर है। भारत सरकार की स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार हार्ट फेल, टी बी,अस्थमा डायबिटीज और क्रॉनिक किडनी डिजीज की वजह से देश में सबसे ज्यादा मृत्यु होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सबसे स्वस्थ्य देशों की सूची में भारत का प्रदर्शन काफी निराशाजनक है।

इस रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य की सूची में स्पेन पहले नंबर पर है और भारत 120 वें नंबर पर है। भारत के संदर्भ में यह आंकड़े अत्यंत प्रतिकूल हैं,यह दर्शाते हैं कि भारत की आम जनता स्वास्थ तथा फिटनेस के प्रति कितनी गैर जिम्मेदार है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही के कारण हर साल भारत में हजारों लोग मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। स्वास्थ्य गत कमी के कारण लोगों की मृत्यु तो होती ही है, साथ में आर्थिक क्षति की बहुत बड़ी होती है। इतनी ज्यादा मृत्यु तथा आर्थिक क्षति से देश की प्रगति तथा विकास में भी बाधा उत्पन्न होती है। भारत में वस्तुतः सभी प्रकार की बीमारी का मूल कारण भारतीय जनमानस की अनियमित जीवन शैली है। लोग अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देते, व्यायाम करने की जगह आराम करना पसंद करते हैं,जिस कारण भारत में स्वास्थ्य संकट दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है और इसीलिए फिट इंडिया मूवमेंट के संचालन की आवश्यकता बढ़ गई है, जिससे लोगों को उनकी सेहत के प्रति जागरूक किया जाना अत्यंत आवश्यक है। पूरा विश्व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक है पड़ोसी देश चीन ने स्वस्थ चाइना मिशन 2030 तक चलाने का एक कार्यक्रम बनाया है। ऑस्ट्रेलिया ने भी वर्ष 2030 तक अपने नागरिकों को आलस भगाने तथा शारीरिक गतिविधियां बढ़ाने का मिशन चलाया है। जर्मनी ने फिट इनडीड ऑफ फैट अभियान चला रखा है। अमेरिका भी एक विशाल देश है जहां 32 करोड़ जनसंख्या है, उसने भी अपने नागरिकों को स्वस्थ तथा फिट रखने का अभियान चलाकर लोगों को फिटनेस ट्रेनिंग मुहैया करा दी है। मूलतः स्वस्थ रहने से अनेक बीमारियां स्वतह दूर चली जाती हैं, एवं बीमारियों में होने वाला खर्च की बचत भी होती है। इसके अलावा स्वस्थ व्यक्ति की कार्य क्षमता अत्यधिक बढ़ जाती है। स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन राष्ट्रीय निर्माण में सहायक होता है। नियमित व्यायाम तथा योगा करने से हार्ट, डायबिटीज,ब्लड प्रेशर आदि की बीमारियों से बचा जा सकता है हिंदुस्तान में ह्रदय रोग डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के लाखों मरीज च्हैं, और सबसे ज्यादा इलाज में इन्हीं लोगों में धनराशि खर्च की जाती है अतः जनमानस को स्वस्थ रखकर इन बीमारियों से दूर रखने के लिए भारत सरकार ने क्विट इंडिया मूवमेंट चला रखा है जिससे जनमानस का स्वास्थ अच्छा रहकर विकास तथा प्रगति की राह पर इनके योगदान को बढ़ाया जा सके। शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार व्यक्ति के जीवन में पारिवारिक व्यक्तिगत संबंधों एवं व्यवसाय तथा आर्थिक गतिविधियों एवं हर सामाजिक पहलू पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च को भी कम करके आप परिवार तथा समाज में सहायता प्रदान कर सकते हैं, एवं इससे आपको आर्थिक लाभ का भी फायदा होता है। भारत में यदि स्वस्थ्य जनमानस होगा तो सकल घरेलू उत्पाद में 2ध्तक की वृद्धि हो सकती है उत्पादकता और आय में बढ़ोतरी होगी क्योंकि स्वास्थ्य में सुधार होने से बीमारी में होने वाले खर्च में बहुत कमी होने की संभावना होती है। इस तरह राष्ट्रीय परिपेक्ष में आमजन को स्वस्थ रहना सरकार की सफलता ही होगी। क्योंकि व्यक्ति से समाज बनता है और समाज से राष्ट्र बनता है एक व्यक्ति का मस्तिष्क तथा शरीर यदि स्वस्थ रहें तो संपूर्ण समाज स्वस्थ रहेगा और इस तरह संपूर्ण राष्ट्र स्वस्थ रहेगा और स्वस्थ रहने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार पूरे देश में होगा। इस तरह राष्ट्र की प्रगति तथा विकास द्रुत गति से होने लगेगा, अतः स्वस्थ रहें मस्त रहें और यह समझ ले कि स्वास्थ ही एक बड़ा धन होता है।

संवरी दिल्ली से बेदर्दी ठीक नहीं

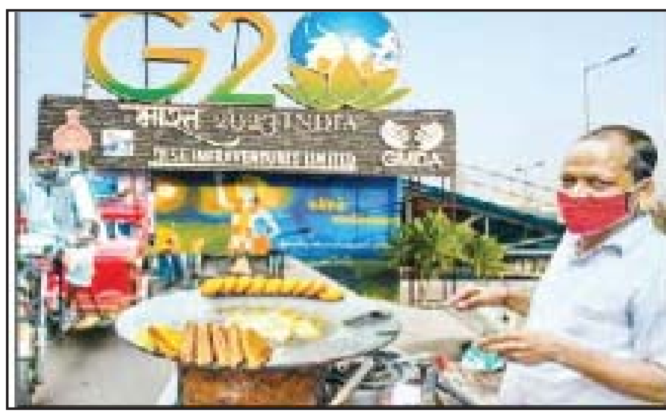

हम इसे विकास के कदम कहीं से भी नहीं ठहरा सकते। दिल्लीवासी ऐसे में ठगा सा महसूस कर रहे हैं। हालांकि इसमें केवल सरकार का ही दोष नहीं है। दोष हम सबकी है। साफदृ सुथरी दिल्ली बनाए रखने के लिए यहां के नागरिक भी उतने ही जिम्मेदार हैं। जब तक अपने कर्त्तव्यों को लेकर दिल्ली के नागरिक जिम्मेदार नहीं बनेंगे तब तक दिल्ली का भला नहीं हो पाएगा। जी२० के बाद हालांकि दिल्ली सरकार ने कहा है किदृजिस प्रकार जी२० शिखर सम्मेलन के लिए पूरी दिल्ली को संवारा गया और विकास के नये प्रतिमान गढ़े गएॅ उसे दिल्ली सरकार आगे भी जारी रखेगी और दिल्ली के बाकी इलाकों में भी इस स्तर का विकास कर करेगी। इस भरोसे से दिल्लीवासियों की आस भी बंधी है।

सुशील देव

संवरने का क्या फायदाॅ जो दिल में उतरने से पहले उजड़ गए।श जीदृतोड़ मेहनताॅ दिनदृरात की मशक्कत। करोड़ोंदृअरबों का खर्चा और रातों की नींद हराम करकेय दिल्ली को जिन हजारों हाथों ने सजायादृसंवाराॅ उन्हें जीदृ२० शिखर सम्मेलन के महज २ हफ्ते बाद ही अपनी दिल्ली को देखकर कैसा लग रहा होगाध जी हाॅ दिल्ली के अलगदृ अलग इलाकों की तस्वीर इस बात को बयां कर रही हैं कि चंद दिनों बाद ही दिल्ली फिर कैसे उजड़ने लगी है। फुटपाथ के किनारे लगी स्ट्रीट लाइट टूट गई हैं। सड़क किनारे रखे गमले गायब हो गए हैं। कई ऐतिहासिक स्मारकों के आगे फिर अतिक्रमण हो गया है। पार्क बदहाल हो उठे हैं। अस्पतालों के आगे जाम तो लाल किले के पास रेहड़ीदृपटरी वालों ने दोबारा डेरा जमा लिया है। ध आपके रिश्तेदार या जानकाराॅ जो जीदृ२० देखने 'भारत मंडपमश तक नहीं पहुंच पाए थाॅ भले ही प्रगति मैदान वाली सड़क से उसकी सेल्फी ले रहे होॅ मगर उन्हें दिल्ली आकर जबरदस्त निराशा हुई है। जिन स्मारकों या भवनों को खूबसूरत दिखने के लिए बेहतरीन व्यवस्था की गई थीॅ वे आज फिर से पूर्व की स्थिति में पहुंच गए हैॅ न वह लाइटिंग हैॅ न वह शाइनिंग। जीदृ२० शिखर सम्मेलन की चर्चा दुनिया भर में रहीॅ भारत का नाम रोशन हुआ। मगर इतने बड़े आयोजन के बाद दिल्ली की हालत पहले ही जैसी हो जाए। यह बेहद निराशाजनक है। हम इसे विकास के कदम कहीं से भी नहीं ठहरा सकते। दिल्लीवासी ऐसे में ठगा सा महसूस कर रहे हैं। हालांकि इसमें केवल सरकार का ही दोष नहीं है। दोष हम सबकी है। साफदृसुथरी दिल्ली बनाए रखने के लिए यहां के नागरिक भी उतने ही जिम्मेदार हैं।

जब तक अपने कर्त्तव्यों को लेकर दिल्ली के नागरिक जिम्मेदार नहीं बनेंगॅ तब तक दिल्ली का भला नहीं हो पाएगा। जीदृ२० के बाद हालांकि दिल्ली सरकार ने कहा है किदृजिस प्रकार जीदृ२० शिखर सम्मेलन के लिए पूरी दिल्ली को संवारा गया और विकास के नये प्रतिमान गढ़े गएॅ उसे दिल्ली सरकार आगे भी जारी रखेगी और दिल्ली के बाकी इलाकों में भी इस स्तर का विकास कर करेगी। इस भरोसे से दिल्लीवासियों की आस भी बंधी है। ध सवाल यह है कि दिल्ली के नागरिकों को आखिराॅ कैसे उनके कर्त्तव्य को समझाया जाएध इतनी अच्छी व्यवस्था किए जाने के बावजूद अगर धीरेदृधीरे दिल्ली पुराने ढर्रे पर फिर से लौट रही हैॅ तो यह गंभीर चिंतन का विषय है। दिल्लीवासियों को समझना पड़ेगा कि सब कुछ सरकार ही नहीं कर देती। कुछ फर्ज आपका भी होता है। आपकी नाली गंदी हैॅ या आपके पड़ोस में कचरे का ढेर पड़ा हैॅ तो इसमें भला सरकार क्या करेगी। इसमें आपकी पहल ज्यादा महावपूर्ण है। इस बड़ी आबादी वाले राजधानी शहर में शान से रहने के लिए आपका योगदान भी उतना ही महावपूर्ण है। अफसोस होता है कि आखिराॅ कब दिल्ली के नागरिकों को अक्ल आएगी कि अपनी दिल्ली को हमने ही सुरक्षित और स्वच्छ रखना है। सरकार अपनी तरफ से कई बार ईमानदार भी दिखती हैॅ लेकिन बगैर लोगों के प्रयास से आमूलदृचूल बदलाव संभव नहीं है। जहां तक रही बात सरकार काम करने के तौरदृतरीके कीॅ तो सरकार विकास कार्य पर खर्च तो खूब कर देती हैॅ मगर ऐसी नीतियों पर खर्च नहीं करती जिनसे अतिक्रमण न बढ़े। अगर यह खर्च वही कर दे तो शायद कई समस्याओं के समाधान निकल आए। जो रेहड़ीदृपटरी वाले इधरदृ उधर भटकते हैॅ उनके लिए स्थायी या वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए। कई जगहों में जीदृ२० की सजावट की ध्ज्यियां उड़ रही हैं। सराय काले खां के आसपास की सड़क के फुटपाथ की चमक गायब हो चुकी हैॅ वहां के गमले विलुप्त हो चुके हैं। सफदरजंगॅा एलएनजेपी या आरएमएल अस्पताल के पास भीड़दृ भाड़ देखने को मिल रही है। अस्पताल के बाहर वेंडरों और दुकानदारों का अतिक्रमण शुरू हो गया है। लोगों ने अपनी रेहड़ीदृपटरी फिर से लगानी शुरू कर दी है। ऐसे में दिल्ली की खूबसूरती का आलम कैसे बरकरार रह सकेगा जब फुटपाथ के पौधे गायब हो रहे हैॅ फूल उखाड़ कर फेंके जा रहे हैॅ पार्को में बदहाली छा रही है। विदेशी मेहमानों को दिखाने के लिए जगहदृजगह जो मूद्दतयां लगाई गई थीॅ उसके पास गंदगी का अंबार लगने लगा है। अजमेरी गेट के पास स्मारक के बाहर वहां जाम की आवाज आई। अतिक्रमण लाल किले के पास रेहड़ीदृपटरी वालों का दोबारा कब्जा हो गया। चांदनी चौक के ट्रैफिक सिग्नल पर भीड़ फिर से लग रही। लाइटिंगॅा फव्वारा या अन्य आकर्षण भी धीरेदृधीरे घटने लगा हैॅ ऐसे में जो नागरिक दिल्ली आकर जीदृ२० शिखर सम्मेलन के बाद इस स्थल पर अपने गौरव को करीब से महसूस करना चाह रहा थाॅ वह यह सब देख कर परेशान हो उठता है। यह वश्य भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को भी धता बता रहा है। हालांकि संबंधित एजेंसियों को प्रशासन की ओर से पत्र लिखकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया गया है। मगर क्या करेॅ दिल्लीवासी ही अपनी दिल्ली के लिए जागरूक नहीं दिखाई पड़ते। हम इसे विकास के कदम कहीं से भी नहीं ठहरा सकते। दिल्लीवासी ऐसे में ठगा सा महसूस कर रहे हैं। हालांकि इसमें केवल सरकार का ही दोष नहीं है। दोष हम सबकी है। साफदृसुथरी दिल्ली बनाए रखने के लिए यहां के नागरिक भी उतने ही जिम्मेदार हैं। जब तक अपने कर्त्तव्यों को लेकर दिल्ली के नागरिक जिम्मेदार नहीं बनेंगॅ तब तक दिल्ली का भला नहीं हो पाएगा। जीदृ२० के बाद हालांकि दिल्ली सरकार ने कहा है किदृजिस प्रकार जीदृ२० शिखर सम्मेलन के लिए पूरी दिल्ली को संवारा गया।

'अपनी शैली बनाएं, जो आपके किरदार की पहचान बने

शनिवार को जब मैं एयरपोर्ट लाउंज में गया, तो भीड़ कम थी और मैंने देखा कि मेरी मित्र की पत्नी अपनी साड़ी की प्लेट्स ठीक कर रही थीं क्योंकि यह उनके मुताबिक नहीं थी। उनके कदमों में बैठा दोस्त अपने अंगूठे और तर्जनी से साड़ी की प्लेट एक–सी कर रहा था। जब वह खड़ा हुआ, तो पत्नी ने पूछा, 'कैसी लग रही है' और उसने कहा 'झकास।' तब मैंने उसकी पीठ पर थपकी दी और कहा, 'बॉस, एक्टर अनिल कपूर की पर्सनैलिटी की नकल करने के लिए सजा हो सकती है और इस शब्द के इस्तेमाल से कानूनी पचड़े में पड़ सकते हो।' जब उस दंपति ने चौंकते हुए मेरी ओर देखा, तो मैंने बताया कि कैसे पिछले हफ्ते दिल्ली हाईकोर्ट ने आदेश देते हुए अनिल कपूर के किरदार के अनाधिकारिक इस्तेमाल पर रोक लगा दी है, जिसमें 'झकास' शब्द भी है। अंतरिम आदेश सोशल मीडिया चौनल, ई–कॉमर्स प्लेटफार्म और बड़े पैमाने पर लोगों को उनके व्यक्तिगत अधिकारों के उल्लंघन से रोकता है। कोर्ट ने कहा कि अभिनेता का नाम, आवाज, संवाद और तस्वीरों का उनकी अनुमति के बिना इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा। इसमें झकास शब्द भी है, कम से कम जिस तरह वह कहते हैं। कपूर ने यह शब्द अपनी फिल्मों में कई बार इस्तेमाल किया है और वो भी होठों को विशेष तरह से ट्विस्ट करते हुए, कोर्ट को यह दलील सही लगी कि उनके यह कहने का तरीका उनके किरदार का हिस्सा है।

आज का राशिफल

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

वृष :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन :– नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कार्य के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें। आलस्य त्यागें।

धनु :– संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

कुंभ :– अच्छे कार्य से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

मीन :– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल का प्रतिनिधि मंडल सचिव मुख्यमंत्री संजय प्रसाद से मिला

राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के महानगरों में 18-24-45 मीटर या उससे अधिक चौड़ी सड़कों पर मिश्रित भू उपयोग नीति तथा भू उपयोग परिवर्तन नीतिष लागू करने की मांग की

राजधानी लखनऊ में आवास विकास विभाग द्वारा मैट्रो लाईन के मध्य से दोनो तरफ टी ओ डी योजना प्रभावी करने की मांग की

व्यापारियों ने सचिव मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौपा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के नेतृत्व में सचिव मुख्यमंत्री श्री संजय प्रसाद से भेंट की व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने सचिव मुख्यमंत्री श्री संजय प्रसाद से राजधानी लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के महानगरों में 18 मीटर, 24 मीटर एवं 45 मीटर तथा उससे अधिक चौड़ी सड़कों पर मिश्रित भू उपयोग नीति तथा भू उपयोग परिवर्तन नीति लागू करने की मांग की इसके अतिरिक्त उन्होंने सचिव मुख्यमंत्री से कहा मेट्रो लाइन के मध्य से दोनों तरफ 500 मीटर में ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट नीति लागू है किंतु राजधानी में आवास विकास विभाग द्वारा इस नीति को प्रभावी नहीं किया जा रहा है उन्होंने सचिव मुख्यमंत्री से आवास विकास विभाग द्वारा भी टी ओ डी योजना को प्रभावी करने की मांग की तथा कहा इससे पात्र व्यापारियों को लाभ मिल सकेगा।

प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने सचिव मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी सौपा प्रतिनिधि मंडल में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन जायसवाल ,सचिन अग्रवाल शामिल थे।

विद्यालयों मे संचालित योजनाओं के लक्ष्य के सापेक्ष अनुश्रवण लगातार न किये जाने पर डीएम ने जताई नाराजगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर –जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में जिला शिक्षा अनुश्रवण समिति एवं एम0डी0एम0धनिपुण टास्क फोर्स की बैठक मंगलवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा पूर्व के बैठक मे दिये गये निर्देश के अनुपालन के सम्बंध में अवगत कराया गया।जिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायत राज अधिकारी को कायाकल्प के सम्बंध में समस्त विद्यालयों को जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत शतप्रतिशत संतृप्त कराये जाने हेतु दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। 40 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित विद्युत पोल वाले विद्युत सन्योजन विहिन विद्यालयों मे विद्युत सन्योजन कराये जाने हेतु झटपट पोर्टल पर किये गये विद्यालयों द्वारा आवेदन के क्रम में विद्युत विभाग से स्टीमेट प्राप्त कर ग्राम पंचायत स्तर से विद्युत सन्योजन कराये जाने हेतु निर्देश प्रदान किये गये। जिला समन्वयक (निर्माण) को बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित परिषदीय विद्यालयों के जर्जर होने की स्थिती मे चिन्हित कर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही किये जाने हेतु दिशा–निर्देश निर्गत किये गये। कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों के उच्चीकरण हेतु विकास खण्ड हेतु उपजिलाधिकारी मड़ियाहूँ, केराकत को जमीन उपलब्ध कराये जाने हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिशा–निर्देश निर्गत किये गये।

जिला स्तरीय एवं ब्लाक टास्क फोर्स द्वारा विद्यालयों मे संचालित योजनाओं के लक्ष्य के सापेक्ष अनुश्रवण लगातार न किये जाने पर जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए बीएसए को पत्र निर्गत करने हेतु निर्देशित किया गया। विकास खण्ड करंजाकला मे परिषदीय विद्यालयों मे अध्ययनरत छात्रों की उपस्थिती औसत 49 प्रतिशत पाए जाने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी करंजाकला को उक्त के सम्बंध मे लगातार समीक्षा किये जाने हेतु दिशा–निर्देश निर्गत करनें के साथ–साथ चेतावनी दी गयी कि जनपद के किसी भी विकासखण्ड के परिषदीय विद्यालयों मे 60 प्रतिशत से कम उपस्थित पाये जाने पर सम्बंधित खण्ड शिक्षा अधिकारी के उत्तरदायित्व का निर्धारण किया जाएगा। निपुण विद्यालय होने की दशा मे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी को विद्यालय मे अध्ययनरत छात्रो के अधिगम स्तर का मूल्यांकन कर निपुण घोषित किये जाने हेतु निर्देश देने के साथ–साथ विद्यालयों मे अध्ययनरत कक्षा 04 से 08 तक के छात्रों को मुख्य धारा मे सम्मिलित करते हुए अधिगम स्तर का समय–समय मूल्यांकन किया जाय।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समस्त खंड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक, एस आर जी समेत अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गांधी जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर डीएम ने किया बैठक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में 02 अक्टूबर को गांधी जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में बैठक मंगलवार सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागो यथा शिक्षा विभाग, खेल विभाग, सहकारिता विभाग, खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग, पुलिस विभाग सहित अन्य विभागों से गांधी जयंती पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के कार्ययोजना के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि विद्यालयों में प्रतियोगिता कार्यक्रम कराया जाए, मलिन बस्तियों में दवा वितरण कराया जाए, स्वास्थ्य कैंप लगाए जाए, प्रत्येक वार्ड में साफ सफाई हेतु अभियान चलाएं जाएं, प्रत्येक नगर पालिका में आयुष्मान भारत का कार्यक्रम आयोजित किया जाए, आयुष्मान भारत को लेकर हर नगर निकाय में कार्यक्रम कराया जाए, मेडिकल कैंप लगाया जाए, स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं को प्रसारित कराया जाए। जिलाधिकारी ने लोगों से अपील की कि 01 अक्टूबर को साफ सफाई के महत्व को ध्यान में रखते हुए 1घंटे के लिए स्वच्छता में अपना श्रमदान अवश्य करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयबर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी गणेश प्रसाद , समस्त उपजिलाधिकारी, सहित अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

वीर सपूत शहीद भगत सिंह की जयंती पर एसकेडी एकेडमी में श्रद्धा सुमन अर्पित किये गये

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आजादी के मतवाले और हंसते हंसते मातृभूमि पर अपनी जान न्यौछावर करने वाले शहीद भगत सिंह की 116वीं जयंती पर एसकेडी एकेडमी की सभी शाखाओं में बच्चों ने याद किया। भारत माँ के वीर सपूत और भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह जी को श्रद्धासुमन अर्पित किये गये। उनके बारे में बच्चों ने विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुये कहा कि देश के सबसे बड़े क्रांतिकारी और अंग्रेजी हुकूमत को अपने साहस से झकझोर देने वाले भगत सिंह ने नौजवानों के दिलों में आजादी का जुनून भरा था। उन्होंने आजादी के लिए नौजवान भारत की स्थापना की।

शहीद भगत सिंह जी की जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुये संस्था के निदेशक श्री मनीष सिंह जी ने कहा कि ऐसे वीर स्वतंत्रता सेनानी को हम सब नमन करते हैं उन्होंने अपने कारनामों, विचारों और ओजस्वी व्यक्तित्व से देश के नौजवानों के बीच अलग जगह बनाई है। हम सभी ऐसे वीर सपूत की देशभक्ति एवं उनके साहस व क्रांतिकारी विचारों को शतशत प्रणाम करते हैं।

डैश बोर्ड की डीएम ने लिया बैठक

प्रगति आख्या में खराब प्रदर्शन करने वाले विभागों के प्रति जतायी नाराजगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड प्रगति आख्या रिपोर्ट संबंधी बैठक मंगलवार देर सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने प्रगति आख्या रिपोर्ट में जिन भी विभागों जैसे आबकारी विभाग, मंडी (शहर), निर्विवाद उत्तराधिकार, स्वामित्व योजना में प्रगति आख्या रिपोर्ट में खराब प्रदर्शन करने पर संबंधित विभागों के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने समस्त उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि एंटी भू–माफिया में लंबित मामलों में कार्यवाही किया जाए साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुसहर बस्ती में स्वास्थ्य कैंप लगाया जाए, जीएसटी के संदर्भ में निर्देशित किया कि राजस्व संग्रह बढ़ाएं, नगर विकास एवं गरीबी उन्मूलन के तहत पीएम आवास योजना के अंतर्गत पहली और तीसरी किस्त जारी करने से पहले जांच कराई जाए, स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग को कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व संग्रह बढ़ाएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयबर चौहान, मुख्य राजस्व अधिकारी गणेश प्रसाद, समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त तहसीलदारगण सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

बप्पा को आज लगेगा 108 किलो का महा मोदक का भोग

संवाददाता

लखनऊ। श्री गणेश प्राकट्य कमेटी की ओर से झूलेलाल वाटिका निकट हनुमान सेतु के पास चल रहे गणेशोत्सव के आठवें दिन मंगलवार को भगवान गणपति के दरबार में भजनों की गंगा बही। कोलकाता के भजन गायक संजय शर्मा के निर्देशन व संचालन में सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत गणेश जी की स्तुति 'जय गणपति वन्दन गणनायक' से करने के बाद कृष्ण लीला नृत्य नाटिका का मनोहारी मंचन किया गया। उसके बाद गणेश के फैन नृत्य नाटिका तथा श्याम की पोशाक नृत्य नाटिका का मंचन प्रभावशाली रहा। अगले क्रम में संजय शर्मा ने एक भजन मैं फैन हूं गजानन का...,सुनाया तो गजानन के जयकारों से पंडाल गूंजने लगा।

धूल भरी फाइलों के बीच में से निकला सांप, खोलते ही कर्मचारी को डसा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित सचिवालय में एक ऐसा घटना सामने आई है, जिसके बारे में जानकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। जहां सचिवालय में उस समय अफरा–तफरी मच गई जब वहां रखी सरकारी फाइलों के बीच से अचानक एक सांप निकला। इस दौरान सांप ने वहां मौजूद एक कर्मचारी को डस भी लिया। हालांकि, सांप को देखने से लग रहा था कि वह बच्चा ही है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सचिवालय में अधिकारियों और कर्मचारियों में उस समय दहशत फैल गई जब दोपहर में उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की धूल भरी फाइलों में एक सांप को लिपटा हुआ पाया गया, जब एक अधिकारी उन्हें खोलकर देख कर रहा था।

एलडीए में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर ने लगाई फांसी

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर संतोष जायसवाल ने मंगलवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह घर में परिवार के लोगों ने मृतक को फांसी के फंदे पर लटका देखा था। संतोष की पत्नी ने एलडीए वीसी इंद्रमणि त्रिपाठी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि एलडीए वीसी की प्रताड़ना और डांट से पति काफी मानसिक तनाव में थे। वह कई बार इसका जिक्र कर चुके थे। पत्नी मालती जायसवाल ने कहा कि एलडीए वीसी उनके पति को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। पहले ही कार्यालय में इंद्रमणि त्रिपाठी ने उनके पति के मुख्यालय में अभद्रता की थी। अब लगातार प्रताड़ना से आहत होकर संतोष जायसवाल ने यह कदम उठाया है। संतोष के परिवार में पत्नी के अलावा दो बच्चे और मां हैं। मालती ने कहा कि उनके पति के खिलाफ वीसी के सख्त रवैये की वजह से उनका परिवार बर्बाद हो गया है।

एलडीए में कार्यरत कुछ कर्मचारियों ने बताया कि कुछ दिन पहले वकीलों से भी एक विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि संतोष जायसवाल ने पैसे लिए थे और काम नहीं किया था। इसके बाद वकीलों का एक समूह उनके ऊपर प्रेशर भी बना रहा था। एलडीए में संविदा पर तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर हेमचंद्र तिवारी ने बताया कि एलडीए वीसी एक–एक कर कर्मचारियों को बाहर कर रहे हैं। कर्मचारियों का आरोप है कि नोएडा बेस एक फॉर्म को वीसी यहां पर शिफ्ट कर चुके हैं। अब उसमें पुराने लोगों को हटाकर धीरे–धीरे अपने लोगों को शिफ्ट कर रहे हैं। अभी तक तीन लोगों को हटाया गया है।

जयसवाल भी उसमें से एक थे। नौकरी जाने के डर के बाद उन्होंने आत्महत्या कर ली। बेटे आदित्य का कहना है कि घर में कोई भी कलह नहीं थी। ऑफिस में ही उनको परेशान किया जा रहा था। पिता ने एक बार इस बात का जिक्र भी किया था कि ऑफिस में कोई उनको परेशान कर रहा है। इस घटना के बाद एलडीए कार्यरत संविदा कर्मचारी लामबंद। उन्होंने तत्काल ही वीसी को उनके पद से हटाने की मांग कर डाली है।

सपा सरकार ने विश्वकर्मा समाज का सम्मान बढ़ाया, भाजपा ने घटाया-रामआसरे

संवाददाता

लखनऊ/गोरखपुर। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा द्वारा आयोजित विश्वकर्मा पूजा मिलन समारोह शारदा प्रसाद रावत महाविद्यालय सहजनवा गोरखपुर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव पूर्वमंत्री राम आसरे विश्वकर्मा तथा विशिष्ट अतिथि महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ई विजेश शर्मा, राष्ट्रीय सचिव विश्वनाथ विश्वकर्मा पूर्व विधायक यशपाल रावत डाएसएन विश्वकर्मा थे। श्री विश्वकर्मा ने कहा अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा सामाजिक संगठन है। कुछ लोग भ्रम न फैलाएं कि हमारे सम्मेलन मे पार्टी की राजनीति की बात होती है। समाजवादी पार्टी ने विश्वकर्मा समाज को सम्मान दिया है। विश्वकर्मा समाज के सम्मान और पहचान को आगे बढाना हमारी जिम्मेदारी है। समाजवादी पार्टी द्वारा राजनीति सरकार में भागीदारी देने से विश्वकर्मा पूजा कासार्वजनिक अवकाश घोषित करने से ही विश्वकर्मा समाज की पहचान बनी और सम्मान बढ़ा।समाजवादी पार्टी की सरकार में नेताजी ने और अखिलेश यादव ने 17 सितम्बर भगवान विश्वकर्मा पूजा की गजटेड छुट्टी घोषित की थी जिससे पूरे देश में विश्वकर्मा समाजकी चर्चा हुई और लोग विश्वकर्मा समाज को जानने लगे। भाजपा सरकार ने विश्वकर्मा पूजा की छुट्टी निरस्त कर दिया। सपा सरकार ने विश्वकर्मा समाज का सम्मान बढ़ाया और भाजपा सरकार ने विश्वकर्मा समाज का सम्मान घटाया है।समाजवादी नीतियों पर चलकर ही नाई समाज में पैदा हुए कर्पूरी ठाकुर बिहार राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। समाजवादी नीति पर ही चलकर राम आसरे विश्वकर्मा सपा सरकार में शिक्षा मन्त्री बने थे। समाजवादी नीतियां ही दलितो और पिछड़ो आगे बढ़ सकते हैं।हमारे बाद आज तक विश्वकर्मा समाज का कोई मन्त्री नहीं बना। जब विश्वकर्मा समाज की पहचान नहीं थी और लोग विश्वकर्मा समाज का नाम नहीं लेते थे उस समय समाजवादी पार्टी ने हमें एमएलसी बनाकर विश्वकर्मा समाज को पहचान दी थी। 25 साल बाद भाजपा को विश्वकर्मा समाज याद नहीं आया और जब चुनाव नजदीक आया है तो भाजपा ने भी विश्वकर्मा समाज का एमएलसी बना दिया। समाजवादी पार्टी निःस्वार्थ काम किया भाजपा वोट लेने के लिये काम करती है।विश्वकर्मा समाज के नौजवानों को शिक्षा नौकरी और रोजगार चाहिए। विश्वकर्मा समाज के लोग अब डाक्टर इंजीनियर और आईएएस बनना चाहते हैं। आज के डिजिटल युग मे जब भाजपा सरकार को जब विश्वकर्मा समाज के नौजवानों के हाथ में कम्प्यूटर और कलम देना चाहिए तो सरकार उनके हाथ में टूल किट दे रही है।सपा सरकार में अखिलेश यादव ने नौजवानों को मुफ्त लैपटॉप दिया था।भाजपा सरकार क्यों नहीं दे रही है।आज विश्वकर्मा समाज के बुनियादी मुद्दों को समाधान करने की आवश्यकता है।भाजपा सरकार पिछड़े वर्गों का आरक्षण खघ्त्म करना चाहती है।आरक्षण अगर खत्म हो जायेगा तो पिछड़े वर्गों को नौकरी नहीं मिलेगी। महिला आरक्षण में जब तक पिछड़े दलित अल्पसंख्यक समाज की महिलाओं का आरक्षण नहीं किया जायेगा तब तक महिलाओं को समुचित भागीदारी नहीं मिल पायेगी।जातीय जनगणना से ही पिछड़े वर्गों की वास्तविक जनगणना का पता चलेगा। विश्वकर्मा समाज लोग जब तक एमपी एमएलए नहीं बनेंगे तब तक विश्वकर्मा समाज की आवाज संसद में नहीं उठेगी।

राज्यपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज का 18वाँ दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हुआ। दीक्षान्त समारोह में राज्यपाल ने 20734 विद्यार्थियों को उपाधि दी, जिसमें 12640 छात्रों ने तथा 8094 छात्राओं ने उपाधि प्राप्त की। मेधावी विद्यार्थियों को 26 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए, जिसमें 09 स्वर्ण पदक छात्रों ने तथा 17 स्वर्ण पदक छात्राओं ने हासिल किए। कुलाधिपति पदक के अतिरिक्त 07 विश्वविद्यालय स्वर्ण तथा 11 दानदाता स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दीक्षान्त समारोह में मुक्त विश्वविद्यालय में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज मूक्स का उद्घाटन किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट शिक्षकों को भी सम्मानित किया। दीक्षान्त समारोह के अवसर पर राज्यपाल ने बौद्धिक दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य का अवलोकन कर उनका उत्साहवर्द्धन किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर आंगनबाड़ी केन्द्रों को सुसज्जित करने हेतु किट वितरण तथा कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे भारत स्काउट एण्ड गाइड, प्राथमिक विद्यालय से आए बच्चों तथा दिव्यांग बच्चों को पठन–पाठन एवं पोषण सामग्री प्रदान की। इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वविद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि दूरस्थ शिक्षा प्रणाली की लचीली व्यवस्था में कई कारणों से मुख्यधारा में शिक्षा प्राप्त कर सकने में असमर्थ विद्यार्थी भी अपनी शिक्षा पूर्ण कर विकास कर सके हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सराहना की।उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने विश्व में भारत के बढ़ते सम्मान, देश की आजादी के अमृत काल में भारतीय एकता को सुदृढ़ करने वाले विविध कर्यक्रमों, वैश्विक परिदृश्य में विश्व गुरू के रूप में प्रबल होती भारत की छवि की चर्चा की। उन्होंने आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते भारत की चर्चा करते हुए हाल ही में प्रारम्भ हुई 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना' का जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि यह योजना भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत और स्वाबलंबी बनाने का यह एक महत्वपूर्ण कदम है, इससे युवाओं को उनके व्यावसायिक सपनों का पूरा करने के लिए आर्थिक मदद मिलेगी।राज्यपाल ने शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर युवाओं को कौशल विकास करके दक्षता हासिल करने को कहा। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्व स्तरीय शक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के विकास में योगदान करने के लिए प्रेरित किया।समारोह में मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली की कुलपति, प्रो शशिकला वंजारी ने अपने अनुभवों को विद्यार्थियों से साझा करते हुए उनको भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। समारोह में विशिष्ट अतिथि प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री, योगेन्द्र उपाध्याय ने दूरस्थ शिक्षा द्वारा शिक्षण देने में विश्वविद्यालय के योगदान की सराहना की। उन्होंने पदक और उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और उनसे भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था में योगदान देकर विश्व में देश की छवि मजबूत करने को कहा। राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों को जीवन कीशुभकामनाएं दीं। कुलपति प्रो सीमा सिंह ने समारोह में विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की।इस अवसर पर समारोह में अतिथि, जनप्रतिनिधि, कार्य परिषद एवं विद्या परिषद के सदस्यगण, अधिकारी एवं शिक्षकगण तथा विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

बिजली हड़ताल में सस्पेंड इंजीनियर बहाल

संवाददाता

लखनऊ। बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के बाद सस्पेंड अधिकारियों की बहाली होने लगी है। शासन से इसको लेकर सहमति मिलने लगी है। काफी समय से फाइल तैयार थी लेकिन सहमति नहीं मिलने के कारण बहाली नहीं हो रही थी। पहले फेज में मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ने 11 इंजीनियरों को बहाल कर दिया गया है।

हालांकि इसमें वह इंजीनियर भी है जिनको पहले ही निलंबति किया गया था। लेकिन 5 इंजीनियर ऐसे हैं जिन्हें एम देवराज ने हड़ताल की वजह से निलंबित किया था। बिजली इंजीनियर लंबे समय से निलंबित कर्मचारियों की बहाली की मांग कर रहे थे।

पर्यटन मंत्री आज से मथुरा, फिरोजाबाद व मैनपुरी दौरे पर

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह कल 27 सितम्बर के अपराह्न से 02 अक्टूबर तक मथुरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी जनपदों के भ्रमण पर रहेंगे। पर्यटन मंत्री कल विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर सायं 06 बजे संस्कृति विश्वविद्यालय मथुरा में पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित के–पॉप कन्सल्ट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। अगले दिन 28 सितम्बर को फिरोजाबाद में विभिन्न स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे और 29 सितम्बर को कलेक्ट्रेट सभागार फिरोजाबाद में जनपद में संचालित समस्त विभागों के विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करेंगे। अगले दिन 30 सितम्बर को पूर्वाहन 09 बजे से 01 बजे तक शिविर कार्यालय निकट रेलवे क्रासिंग रोड मैनपुरी में जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगे। लार्ड कृष्णा स्कूल आगरा रोड पुलिस चौकी के सामने मैनपुरी में आयोजित अभिनन्दन समारोह में शामिल होंगे तथा डिजिटल क्लासेस का विमोचन करेंगे। अपराह्न 02 बजे हरिहर रोड किशनी रोड मैनपुरी में मुख्यमंत्री द्वारा घोषित त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत किशनी रोड से हरिहरपुर तक नवनिर्मित सीसी मार्ग का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद शंकर मिल कालोनी देवपुरा मैनपुरी में श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ कार्यक्रम में शामिल होंगे।

बी-पैक्स सदस्यता महा अभियान द्वारा

मेगा कैम्प का आयोजन।

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ । भारत सरकार की सहकार से समृद्धि योजनान्तर्गत बी–पैक्स को बहुआयामी बनाने एवं उन्हे आर्थिक रूप से सुदृढ किये जाने तथा किसानो की आय दोगुनी किये जाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिनांक 01.09.2023 से 30.09.2023 तक चलाये जा रहे बी–पैक्स सदस्यता महा अभियान में दिनॉक 26.09.2023 को मेगा कैम्प का आयोजन मा० श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह, सभापति जिला सहकारी बैंक लि0, लखनऊ की अध्यक्षता में एवं सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता जनपद – लखनऊ की उपस्थिति में तहसील–बी०के०टी० के बी–पैक्स चौगवां में किया गया। मा० विधायक, बी०के०टी० श्री योगेश शुक्ला जी मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता, जनपद लखनऊ द्वारा सभा में उपस्थित कृषको का बी–पैक्स की सदस्यता ग्रहण कर भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लिये जाने का आवाहन किया गया। मा० विधायक जी द्वारा मेगा कैम्प में आये कृषको को सम्बोधित करते हुए भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही सहकार से समृद्धि के मूलमंत्र के अन्तर्गत किसानों की आय को दोगुनी करने, सिचाई की सुविधायें, उर्वरक, उन्नत बीज, विपणन, भण्डारण, डेयरी कार्यकलापों, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, कृषि उत्पादन एवं उत्पाद के प्रसंस्करण आदि से सम्बन्धित समस्त जानकारियों किसानों को बतायी गयी तथा अधिक से अधिक किसान बी–पैक्स से जुडे और उसके सदस्य बनकर अधिक से अधिक लाभ लिये जाने के लिए प्रेरित किया गया।

अन्त में बैंक सभापति श्री वीरेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में जनपद के समस्त किसानों को बी–पैक्स से जुड़कर सदस्य बनने हेतु प्रेरित किया गया। मा० सभापति द्वारा बी–पैक्स से मिलने वाली सुविधाओं जैसे राशन की दुकान, समुदायिक केन्द्र, सबसे सस्ते दर पर किसान क्रेडिट कार्ड आधारित ऋण तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से क्षेत्र के किसानों को अवगत कराया गया। अन्त में इस सदस्यता मेगा कैम्प में सभापति महोदय द्वारा समस्त कृषक भाईयो को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। सदस्यता महा अभियान मेगा कैम्प में बैंक के संचालक श्री विनय प्रताप सिंह एवं श्री बृजेन्द्र कुमार वर्मा, श्री दिवाकर सिंह, अपर जिला सहकारी अधिकारी श्री रविशंकर चौधरी, बैंक के शाखा प्रबन्धक, श्री सुभाष श्रीकृष्ण चितले एवं श्री रंजीत कुमार यादव के साथ–साथ तहसील – बी0के0टी0 के समस्त बी–पैक्स के सभापति एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं किसान भाई उपस्थित रहे।

फायर वर्क्स डीलर्स वेल्फेयर एसोसिएशन का वार्षिक अधिवेशन एवं सम्मान समारोह।

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। सोमवार को फायर वर्क्स डीलर्स वेल्फेयर एसोसिएशन का वार्षिक अधिवेशन एवं सम्मान समारोह विश्वैश्वरैया प्रेक्षागृह, लखनऊ में सम्पन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री बृजेश पाठक जी माननीय उपमुख्यमंत्री, उ०प्र० शासन, मा० जयवीर सिंह जी, कैबिनेट मंत्री, श्री रजनीकांत माहेश्वरी एमएलसी, श्री मुकेश शर्मा एमएलसी एवं श्री मनीष गुप्ता जी, अध्यक्ष व्यापारी कल्याण बोर्ड ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। तत्पश्चात् अतिथियों का माल्यार्पण कर एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मा० माहेश्वरी जी ने जो संगठन के संरक्षक भी हैं, व्यापारियों के व्यापार में आने वाली समस्याओं के विषय में विस्तार रूप से अवगत कराया। सभा को सम्बोधित करते मा० उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि आपके व्यापार में आने वाली सभी समस्याओं का समाधान प्रदेश सरकार करेगी व किसी भी व्यापारी का उत्पीड़न नहीं करने दिया जायेगा। दीपावली हर्षोल्लास के साथ मनायी जायेगी। श्री मनीष गुप्ता जी ने समस्त व्यापारियों को आश्वासन दिया कि वे किसी भी समय कोई भी व्यापारिक समस्या लेकर आयेंगे तो मैं हमेशा समाधान करता आया हूँ व करता रहूँगा। अधिवेशन में आगरा, हाथरस, बनारस, गोरखपुर, इलाहाबाद, सुल्तानपुर, लखनऊ व अन्य 35 जिलों के व्यापारियों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। सम्मलेन की अध्यक्षता श्री हेमन्त चाँदना, अध्यक्ष जी ने की एवं अनुभव अग्रवाल (हाथरस), अखिलेश चन्द्र गुप्ता (लखनऊ), अतुल सिंघल (हापुड़), दिलीप मोटवानी (बनारस), सतीश चन्द्र मिश्रा (लखनऊ) एवं अन्य व्यापारियों ने अपने – अपने सुभाव दिये।

केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ 1 ने वृहद शिक्षा ऋण मेला में 5.5 करोड़ की मंजूरी प्रदान की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ 1 खुदरा ऋण को बढ़ावा देने हेतु वृहद शिक्षा ऋण मेला में 5.5 करोड़ की मंजूरी प्रदान की। ऋण मेला अंचल कार्यालय लखनऊ में अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक आलोक कुमार अग्रवाल के निर्देशन में आयोजित किया गया।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी (आई आई टी) लखनऊ के उप रजिस्ट्रार विवेकानंद सिन्हा ने मुख्य अतिथि के रुप में शिक्षा ऋण मेले में शिरकत की।

शिक्षा ऋण मेला के अंतर्गत 72 मेधावी छात्र छात्राओं को कुल 5.5 करोड़ रूपए ऋण की मंजूरी प्रदान की। यह ऋण विद्या तुरंत योजना के तहत बिना संपारश्विक प्रतिभूति के प्रदान किए जाएंगे।

आलोक कुमार अग्रवाल ने बताया कि केनरा बैंक में शिक्षा ऋण कम ब्याज दर पर और आसान प्रक्रिया के साथ उपलब्ध है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा सब्सिडी के लिए केनरा बैंक नोडल बैंक के रूप में नामित है और केनरा बैंक के द्वारा ही सदस्य बैंकों को सब्सिडी प्रेषित की जाती है।

रिटेल एक्स्पो का सफलता पूर्वक संचालन लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ 1 के सहायक महाप्रबंधक अमित कुमार अस्थाना के नेतृत्व मे आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उपमहाप्रबंधक लोक नाथ, आर ए एच के मंडल प्रबंधक विजय मिश्रा के साथ अंचल कार्यालय में रिटेल अनुभाग के वरिष्ठ प्रबंधक संतोष श्रीवास्तव, मार्केटिंग मैनेजर संतोष यादव और प्रशांत पांडे भी उपस्थित रहे। उक्त जानकारी सर्व मित्र भट्ट वरिष्ठ प्रबंधक केनरा बैंक अंचल कार्यालय लखनऊ ने दी।

सम्पूर्ण भारत में शराबबंदी की मांग के लिए 2 अक्टूबर गांधी जयंती के मौके पर माननीया राष्ट्रपति महोदया को भेजा जाएगा ज्ञापन ...मुर्तजा अली

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पीस एजुकेशनल चौरिटेबल ट्रस्ट और शराबबंदी संघर्ष समिति के अध्यक्ष मुर्तजा अली के नेतृत्व में आज केंद्रीय कार्यालय लखनऊ एक बैठक हुई ! बैठक में 2 अक्टूबर गांधी जयंती के मौके पर उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में सम्पूर्ण भारत में शराब बंदी की मांग को लेकर शराबबंदी संघर्ष समिति और राष्ट्रीय शराबबंदी संयुक्त मोर्चा संयुक्त रूप से भारत की राष्ट्रपति महोदया को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपने का कार्य करेगी ! इस मौके पर राष्ट्रीय शराबबंदी संयुक्त मोर्चा के सभी जिला अध्यक्षों को सभी जिलों में तैयारी करने का मीटिंग में निर्देश दिया गया है इस मौके पर शराबबंदी संघर्ष समिति के जनरल सेक्रेटरी मिर्जा इशरत बेग , उपाध्यक्ष रोहित अग्रवाल. ,शादाब सिद्दीकी, फहीम सिद्दीकी, मीडिया प्रभारी मिर्जा साद बेग,फैजुद्दीन सिद्दीकी, राजेश्वर मिश्रा, मोहम्मद कैफ, पीसी कुरील ,मोहम्मद अल्वी, फहद, हलीमा, मूसा हसन, जावेद सिद्दीकी, हर्ष हर्षित आदि लोग मौके पर उपस्थित रहे इस कार्यक्रम को तमाम सामाजिक और राजनैतिक संगठनों नें भी समर्थन दिया है।

2 हजार में आईएसआईएस को देता था सेना की सूचनाएं

संवाददाता

लखनऊ। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआईएस के लिए जासूसी करने वाले एक युवक को एटीएस ने गिरफ्तार किया है। यूपी एटीएस ने युवक को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शैलेश कुमार उर्फ शैलेन्द्र सिंह चौहान पुत्र राजेन्द्र सिंह के रूप में हुई है। एटीएस के मुताबिक, शैलेश कासगंज के पटियाली इलाके का रहने वाला है। एटीएस को शैलेश के पास से सेना का फर्जी पहचान पत्र भी मिला है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वो वॉट्सऐप और फेसबुक के जरिए सेना से जुड़ी अहम जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को साझा कर चुका है। आरोपी लगभग 8–9 महीने भारतीय सेना में, अरुणाचल प्रदेश में अस्थाई श्रमिक,पोर्टर के रूप में काम किया था। जिससे शैलेश के पास भारतीय सेना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी थीं। उसकी सोशल मीडिया पर शैलेश चौहान के नाम से प्रोफाइल है। आरोपी ने फेसबुक पर आर्मी की वर्दी में अपनी तस्वीर लगाई थी। इसी फेसबुक प्रोफाइल के जरिए वो हरलीन कौर नाम की लड़की की पहचान से बनी प्रोफाइल के संपर्क में आया। एटीएस को ये भी सबूत मिले हैं कि आईएसआईएस हैंडलर प्रीति से भी वो संपर्क में था। वॉट्सऐप पर ऑडियो कॉल के जरिए बात करता था। प्रीति को सेना का जवान का परिचय दिया था। दोनों के बीच अंतरंग बातें भी होती थीं। प्रीति ने शैलेश को बता दिया था कि वो पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के लिए काम करती है। अगर वो साथ देगा, तो बदले में उसको मोटी रकम मिलेगी। एटीएस की पूछताछ में पता चला कि पैसे की लालच में शैलेश ने प्रीति नाम की हैंडलर को सेना से जुड़े महत्वपूर्ण स्थान की लोकेशन और सेना की गाड़ियों की मूवमेंट की फोटो भेजी। ये सभी फोटो शैलेश ने हरलीन कौर नाम की हैंडलर को भी भेजे थे। इसके लिए शैलेश के फोन–पे पर अप्रैल 2023 में 2 हजार रुपए भी आए थे। एटीएस पूछताछ में शैलेश ने बताया कि उसने प्रीति को कई बार सेना से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भेजी, उसके बदले में उसे पैसे मिले। हरलीन कौर और प्रीती आईएसआईएस की हैंडलर हैं।

क्षेत्रीय रेल परामर्श दात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने गोण्डा में रेलवे आवास की स्थिति में सुधार तथा पुर्ननिर्माण कराये जाने की मांग की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोण्डा। पूर्वोत्तर रेलवे परामर्श दात्री समिति की बैठक में क्षेत्रीय रेल परामर्श दात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव द्वारा महाप्रबंधक के समक्ष रेलवे से जुड़ी विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण का मुद्दा जनहित में उठाया गया।

जेड. आर. यू. सी. सी. सदस्यों की गोरखपुर रेल मुख्यालय पर हुई बैठक में गोण्डा जनपद से पंकज कुमार श्रीवास्तव ने महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे समेत सभी जोन के सभी वरिष्ठ रेल अधिकारियों को रेल यात्रियों के हित में सरयू साकेत एक्स्प्रेस जिसका मनकापुर से इलाहाबाद एवं इलाहाबाद से मनकापुर तक आवागमन है, इसका विस्तार गोण्डा जं तक किये जाने व गोण्डा से लखनऊ तथा लखनऊ से गोण्डा पैसेजर सवारी गाड़ी का संचालन किया जाना, लखनऊ से जगन्नाथ पुरी वाया गोण्डा तथा जगन्नाथपुरी से लखनऊ वाया गोण्डा मेल एक्सप्रेस ट्रेन चलाने, कामाख्या से लखनऊ वाया गोण्डा तथा लखनऊ से कामाख्या वाया गोंडा एक्स्प्रेस गाड़ी का संचालन प्रतिदिन किये जाने, गोण्डा से नई दिल्ली, नई दिल्ली से गोण्डा तक प्रतिदिन एक्सप्रेस गाड़ी चलवाने, लखनऊ से रांची वाया गोण्डा तथा रांची से लखनऊ वाया गोण्डा,

डालीगंज से मैलानी के मध्य चलने वाली पैसेंजर गाडियो मे डिब्बो की संख्या काफी कम रहने के कारण गोला,लखीमपुर एवं सीतापुर स्टेशनो से यात्री उसमे चढ़ नही पाते है और अंत अंत में उन्हे अपना टिकट कैंसिल करना पडता है। प्रत्येक गाड़ी मे कम से कम 2–2 कोच बढाये जाये।

गाड़ी नंबर 15009ध्10 का ठहराव अभी तक मोहिबुललापुर स्टेशन पर नही प्रदान किया गया है जबकि यह काफी पुरानी मांग है और इसे कई स्तर की बैठको मे उठाया जा चुका है। अधिवक्ताओं, व्यापारियो, दैनिक यात्रियों तथा छात्रध्छात्राओं की सुविधा हेतु बाघ एक्सप्रेस एवं आम्रपाली का गोण्डा कचहरी रेलवे स्टेशन पर तथा मनकापुर पर बाघ एक्सप्रेस, गोरखधाम तथा अमरनाथ एक्सप्रेस का ठहराव सुनिश्चित किये जाना। 12569 / 12570 इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव इटियाथोक से जरवल रोड पर किया जाये। गोण्डा में रेलवे आवास की स्थिति में सुधार तथा पुर्ननिर्माण कराये जाने, पूर्वोत्तर रेलवे की सभी प्रमुख गाड़ियों में सी. सी. टी.वी. कैमरा लगाये जाने, गोण्डा रेलवे स्टेशन की ओर जाने जले वाली जर्जर सड़को का निर्माण करने एवं गोण्डा में अपर मण्डल रेल प्रबंधक को नियंत्रित गोंडा रेल मुख्यालय पर नियुक्त किये जाने समेत लगभग 16 सूत्रीय सुझाव देते हुये ध्यान आकृष्ट कराया गया।

महाप्रबंधक चंद्रवीर रमन द्वारा शॉल भेंटकर एवं अपर महाप्रबंधक द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

बैठक में मौजूद महाप्रबंधक पूर्वोत्तर रेलवे सहित जोन के सभी प्रमुख विभागध्यक्षों ने निराकरण कराने हेतु जोनल मेम्बर पंकज कुमार श्रीवास्तव को आश्वस्त किया।

शहीदो ने अपने लिए नहीं अपनों के लिए दिया कुर्बानी- सत्यभान सिंह

नंद कांवेंट स्कूल में आयोजित हुआ शहीदे आजम भगत सिंह कार्यक्रम

ब्यूरो चीफ

अयोध्या। शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट द्वारा आज शहीदे आजम भगतसिंह का दो दिवसीय जन्मदिन मनाने की कड़ी में नन्द कान्वेंट स्कूल मे शहीदे आजम भगत सिंह के विचारों और उनके संघर्षों के बारे में चर्चा करते हुए ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी ने कहा किष्शहीदों ने अपने लिए नही, अपनों के लिए कुर्बानी दिया ।आज उनकी शहादत की बजह से देश आजाद हुआ है ।हम सबको उनकी कुर्बानी को याद करते हुए उनके सपने को साकार करने के लिए आगे बढ़ना होगा ।ट्रस्ट की सदस्य अनिता यादव ने खोल रहे है यादों की,जो बन्द पढ़ी थी सन्दूकें,पुकारती है मिट्टी तुम्हे जहां तुमने बोई थी बंदूकें,आदि क्रन्तिकारी गीत सुनाया। बुधवार को 1 से 8 तक के बच्चों का ट्रस्ट द्वारा निबन्ध प्रतियोगिता कराया गया ।और प्रथम स्थान पाने वाले बच्चों को पुरुस्कार दिया गया। और इसी बीच जादूगर एसआर वर्मा ने बच्चों को आत्मरक्षा के लिए कई जादू दिखाए और बच्चों को खूब अच्छा लगा ।मालती तिवारी ने गोरखपुर की जेल में बैठे,मां को लिखता परबाना,देश धरम का दीवाना,आदि रचना सुनाई ।ट्रस्ट के सदस्य पूर्व जिलाध्यक्ष धीरज द्विवेदी ने कहा कि आजादी के लिए युवाओं ने अपनी कुर्बानी दिया है लेकिन आजादी के बाद आज आज बड़े पैमाने पर असमानता फैल रही है ।इसलिए सबको जागरूक होकर शहीदों के अरमानों को आगे बढ़ाना होगा ।स्कूल के प्रबंधक राजेश नन्द ने सभी आये हुए लोगो का हार्दिक अभिनदन करते हुए सफल कार्यक्रम के लिए बधाई दिया ।कार्यक्रम में जलेस की सदस्य व युवा लेखिका पूजा श्रीवास्तव,अध्यापिका मीरा मिश्रा,अर्चना पांडेय,शिवांगी वर्मा,ऋषि राज,शैलेन्द्र, मंगल प्रसाद मिश्रा,फरीन,अंकिता मिश्रा,सरिता गुप्ता,रजनी कांत, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

दीपोत्सव के विश्व कीर्तिमान के लिए कुलपति ने प्राचार्यो के साथ किया बैठक

21 लाख से अधिक दीए प्रज्ज्वलित कर बनायेंगे विश्व कीर्तिमान – कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल

दीपोत्सव के लिए स्वयंसेवकों की सूची 30 सितम्बर तक उपलब्ध करना होगा

ब्यूरो चीफ

अयोध्या ।डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बार के दीपोत्सव में विश्व कीर्तिमान स्थापित करने के लिए तैयारियों में तेजी लाई। बुधवार को दोपहर में विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल की अध्यक्षता में जनपद के महाविद्यालय एवं इण्टर कालेज के प्राचार्यो के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में कुलपति ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन के मंशानुरूप 11 नवम्बर को होने वाले दीपोत्सव को भव्य बनाने के साथ विश्व कीर्तिमान स्थापित करना है ।जिसके लिए 21 लाख से अधिक दीए प्रज्ज्वलित होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन महाविद्यालयों, इण्टर कालेजों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के स्वयंसेवकों की मदद से राम की पैड़ी सहित 47 घाटों पर 24 लाख से अधिक दीप बिछाएं जायेंगे। घाटों पर दीए प्रज्ज्वलित के लिए 25 हजार स्वयंसेवक लगाये जायेंगे। बैठक में कुलपति प्रो0 गोयल ने महाविद्यालयों, इण्टर कालेज के प्राचार्यों को बताया कि पूरे जोश के साथ छठवीं बार गिनीज बुक ऑफ गिनीज रिकार्ड में नाम दर्ज करेंगे। कुलपति ने बताया कि सभी 30 सितम्बर तक स्वयंसेवकों का नाम आनलाइन डेटा उपलब्ध कराना आवश्यक है ।इसमें सभी के अनुशासन एवं पारदर्शिता के साथ सहयोग की अपेक्षा है ।बैठक में विश्वविद्यालय दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो0 संत शरण मिश्र ने बताया कि इस बार के दीपोत्सव में स्वयंसेवकों का आईडी कार्ड फुलप्रूफ होगा। इसके लिए सभी संस्थाओं से आनलाइन डेटा मांगा गया है। प्राचार्य एवं स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा आनलाइन सत्यापन के उपरांत की आईडी कार्ड निर्गत किया जायेगा ।बैठक में नोडल अधिकारी ने बताया कि इस बार के दीपोत्सव में जनपद के 16 इण्टर कालेजों को शामिल किया गया है। दीपोत्सव के इनके शिक्षकों एवं छात्र–छात्राओं को प्रशिक्षित किया जायेगा। विश्वविद्यालय को अभी तक 11844 स्वयंसेवकों की सूची प्राप्त हो गई है। 30 सितम्बर तक सभी स्वयंसेवकों की सूची आनलाइन प्राप्त हो जायेगी ।विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा 21 समितियां बनाई गई ।इसके अलावा महाविद्यालय, इण्टर कालेजों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के शिक्षकों एवं सदस्यों को घाट समन्वयक का दायित्व दिया जायेगा। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 राजेश कुमार आर्या, जीआईसी के प्राचार्य बसंत कुमार, साकेत के प्रो0 अशोक कुमार मिश्र, डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी, डॉ0 त्रिलोकी यादव, प्रोग्रामर रवि प्रकाश मालवीय सहित अन्य मौजूद रहे।

हड़ताल के दौरान निलम्बित बिजली कर्मियों की बहाली का स्वागत

संवाददाता

लखनऊ। आंदोलन के दौरान निलंबित बिजली कर्मियों और निष्कासित संविदा कर्मियों को बहाल कर बिजली व्यवस्था सुधार में उनका योगदान लिया जाए। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने हड़ताल के दौरान निलम्बित किए गए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के बिजली कर्मियों की बहाली का स्वागत करते हुए प्रदेश के मुखमंत्री योगी आदित्यनाथ, ऊर्जा मंत्री अरविन्द कुमार शर्मा के प्रति आभार प्रकट करते हुए बहाली हेतु पॉवर कारपोरेशन के चेयरमैन डा आशीष गोयल और प्रबंधन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया है।

संघर्ष समिति ने बिजली व्यवस्था में सुधार हेतु प्रदेश में पांच स्थानों मेरठ, आगरा, वाराणसी,केस्को और बरेली में कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया है। इन कार्यशालाओं के बाद राजधानी लखनऊ में 26 अक्टूबर को प्रांतीय स्तर की सुधार कार्यशाला आयोजित की जायेगी।

फ्री मेडिकल सुविधा के लिए उपमुख्यमंत्री से मिले पेंशनर

संवाददाता

लखनऊ। ईपीएस95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल प्रांतीय महासचिव राजशेखर नागर के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से उनके आवास पर मिला और ज्ञापन देकर बताया कि ईपीएस–95 पेंशनर को 1500–2000 मासिक पेंशन मिलने के बावजूद न तो उन्हें आयुष्मान भारत योजनाऔर ना ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ दिया जा रहा है ।आर्थिक तंगी झेल रहे पेंशनर अपना इलाज करने में असमर्थ हैं।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24 / 234 / 2019 / R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।